गेलाराम थो दुरवडा कटे

तर्ज – (दिल के अरंमा आँसुओ में)

बाबा गेलाराम थो दुरवडा कटे

दुख लाहे सुख जी पयो झोलियु भरे

1. दर्द वंद काहे अचन था आश करे
   प्रार्थना कन था संत खे न्याज़ी करे
   पलक में तिन जा पल्लव पूरा करे
   बाबा.....

2. भाव सां जेको अच पेरडा भरे
   तन मन सां सेवक बणी सेवा करे
   जगत जे जंजाल खां सोही टरे
   बाबा.....

3. नाम हद्य में सदा तुंहिजों रहे
   अंगल अबलाऊन जा बाबल सहे
   दास ते भी कर दया जीवन ठहे
   बाबा गेलाराम.....

4. अहिडे सुख सागर गुरुअ बिना ना टरे
   गद् रहे हरदम थिए न पल परे
   मन मोहब्बत में सदा मुंहिजों रहे
   बाबा .....

***

www.jaigodriwala.com